बिहार लोक सेवा आयोग

70वीं BPSC

प्रारम्भिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन

RAPID FIRE

(अध्यायवार परीक्षा प्वाइंटर)

प्रधान सम्पादक
ए. के. महाजन
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण त्रिपाठी, आशीष गिरि
सम्पादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher
प्रकाशन घोषणा
प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने Printed by Digital से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 295/-

विषय-सूची

❐ इतिहास.....3-47

A. प्राचीन भारत का इतिहास 3-12

B. मध्यकालीन इतिहास.....13-19

C. आधुनिक भारत का इतिहास.....20-47

❐ भूगोल.....48-70

A. भारत का भूगोल.....48-61

B. विश्व का भूगोल 62-70

❐ जनसंख्या नगरीकरण 71-72

❐ पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी.....73-75

❐ भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था 76-92

❐ भारतीय अर्थव्यवस्था 93-108

❐ विज्ञान.....109-148

A. भौतिक विज्ञान.....109-121

B. रसायन विज्ञान 122-133

C. जीव विज्ञान 134-146

D. विज्ञान और प्रौद्योगिकी.....147-148

❐ प्रादेशिक सामान्य-ज्ञान.....149-166

❐ विविध 167-176

भारतीय इतिहास

A. प्राचीन इतिहास (Ancient History)

1. प्रागैतिहासिक काल

■ प्राचीन पुरातात्त्विक स्थल कालीबंगन है– **राजस्थान राज्य में**	**31th BPSC (J)-2022**
■ प्रथम मानव जीवाश्म भारत में ..... प्राप्त हुआ था– **नर्मदा घाटी से**	**66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020**
■ भारत की प्राचीनतम संस्कृति है– **पुरापाषाणिक संस्कृति**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ भारत में विश्वविख्यात शैल-चित्रकला स्थल स्थित है– **भीमबेटका में**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ प्रथम मनके के निर्माण का प्रमाण प्राप्त होता है– **पाटने से**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ चिरांद पुरास्थल पर प्राचीनतम ..... के अवशेष मिले हैं– **नवपाषाणिक संस्कृति**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ जिस काल में कृषिकर्म का प्रादुर्भाव हुआ, वह कहलाता है– **नवपाषाण काल**	**Bihar APO GS -2011**
■ दमदमा पुरास्थल स्थित है– **उत्तर प्रदेश में**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ भारत में पशुपालन एवं कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए है– **मेहरगढ़ से**	**64th BPSC (Pre) 2018-19**
■ कैल्कोलिथिक युग कहा जाता है– **ताम्र पाषाण युग (Copper age) को**	**44th BPSC (Pre) 2000-01**

2. सैन्धव सभ्यता

■ इस समय मोहनजोदड़ो है– **पाकिस्तान में**	**31th BPSC (J)-2022**
■ हड़प्पा का उत्खनन किया गया था– **1921 ई. में**	**65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**
■ प्राक्-सैन्धव काल के ..... पुरास्थल से हल द्वारा जुताई के प्रमाण प्राप्त हुए हैं– **कालीबंगा**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ हड़प्पीय संस्कृति (सैंधव संस्कृति) के उपकरण निर्मित थे– **ताम्र (ताँबा)/काँसा से**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ आई.आई.टी. खड़गपुर के अध्ययन दल की रिपोर्ट के अनुसार लगातार ..... वर्षों तक न के बराबर वर्षा का होना सिन्धु घाटी सभ्यता के पतन का कारण रहा था– **900 वर्ष**	**64th BPSC (Pre) 2018-19**
■ सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है– **नगर नियोजन**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18**
■ सिन्धु घाटी सभ्यता की प्रकृति थी– **नगरीय**	**Bihar APO GS -2013**
■ वह हड़प्पाकालीन स्थल जहाँ से 'हल' का टेराकोटा प्राप्त हुआ– **बनावली**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से संबंधित थे– **आर. डी. बनर्जी, दयाराम साहनी, के. एन. दीक्षित तथा एम. एस. वत्स**	**56th–59th BPSC (Pre) 2015**
■ हड़प्पा का बंदरगाह है– **लोथल**	**53rd–55th BPSC (Pre) 2011** **Bihar APO GS -2011** **30th Bihar (J) GS -2018**
■ सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित पुरातात्त्विक स्थल 'लोथल' ..... नदी के तट पर स्थित है– **भोगवा**	**Bihar APO GS -2012**
■ हड़प्पा में एक उन्नत जल प्रबन्धन प्रणाली का पता चलता है– **धौलावीरा में**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः उपयोग हुआ था– **लाल रंग का**	**40th BPSC (Pre) 1995**
■ सिन्धु सभ्यता ..... युग के अन्तर्गत आती है– **आद्य-ऐतिहासिक काल**	**39th BPSC (Pre) 1994**

■ हड़प्पनों का व्यापारिक सम्बन्ध था– **मेसोपोटामिया के साथ**	**Bihar APO GS -2011**
■ सिंधु घाटी के लोग थे– **शाकाहारी और मांसाहारी दोनों**	**BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016**
■ चन्हूदड़ों, हड़प्पा-संस्कृति से संबंधित एक स्थल है, जो स्थित है– **सिंध में**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

3. वैदिक सभ्यता

■ 'वेदों' में प्राचीनतम है– **ऋग्वेद**	**31th BPSC (J)-2022 BPSC LDC (Pre) 2021**
■ पुरुषार्थ हैं– **चार**	**31th BPSC (J)-2022**
■ गायत्री मन्त्र ..... पुस्तक में मिलता है– **ऋग्वेद**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ यज्ञ हेतु सात प्रकार के पुरोहितों का वर्णन मिलता है– **'ऋग्वेद' में**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ वेदों की संख्या है– **चार**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ 'त्रयी' का अभिप्राय है– **तीन वेद**	**Bihar APO GS -2013**
■ प्रसिद्ध दस राजाओं का युद्ध लड़ा गया– **परूष्णी नदी के तट पर**	**42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ ऋग्वेद संहिता का नवां मण्डल पूर्णतः समर्पित है– **सोम और इस पेय पर नामांकित देवता को**	**40th BPSC (Pre) 1995 42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ बोगजकोई का महत्त्व इसलिए है कि– **वहां जो अभिलेख प्राप्त हुए हैं, उनमें वैदिक देवी एवं देवताओं का वर्णन मिलता है**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ अछूत की अवधारणा स्पष्ट रूप से उद्धत हुई– **धर्मशास्त्रों के समय में**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ एक वेद जो धार्मिक अनुष्ठान से सम्बन्धित है– **यजुर्वेद**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ वैदिक देवता नहीं था– **कार्तिकेय**	**Bihar APO GS -2011**
■ महापुराणों की संख्या मानी जाती है– **अट्ठारह**	**Bihar APO GS -2011**

4. बौद्ध, जैन, भागवत एवं शैव धर्म

■ जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर थे– **पार्श्वनाथ**	**31th BPSC (J)-2022**
■ 'त्रिपिटकों' का सम्बन्ध है– **बौद्ध धर्म से**	**31th BPSC (J)-2022**
■ गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम धर्मोपदेश दिया था– **सारनाथ में**	**BPSC AE-2006 (Paper III) BPSC Motor Vehicle Insp. 2022 65th BPSC (Pre) Re-exam 2019 29th Bihar (J) GS -2017 56th–59th BPSC (Pre) 2015 53rd – 55th BPSC (Pre) 2011 47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ बोधगया में ज्ञान-प्राप्ति हुई थी– **गौतम बुद्ध को**	**67th BPSC(Pre) Nirast 2021**
■ भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के लिए कई वर्षों तक तपस्या और साधना में जीवन व्यतीत किया– **गया में**	**BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री. परीक्षा-2016**
■ बोध गया में महाबोधि मन्दिर बनाया गया जहाँ– **गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ**	**45th BPSC (Pre) 2002**
■ तृतीय बौद्ध सभा का सभापतित्व किया गया था– **मोग्गलिपुत्त-तिस्स द्वारा**	**BPSC CDPO 2021**

■ तृतीय बौद्ध संगीति (Council) आयोजित हुई– **पाटलिपुत्र में**	**46th BPSC (Pre) 2003-04 28th Bihar (J) GS -2014 BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016 Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005 53rd – 55th BPSC (Pre) 2011 27th Bihar (J) GS -2013**
■ प्रथम बौद्ध महासभा आयोजित हुई थी– **राजगृह में**	**67th BPSC (Pre)2022**
■ वह शासक जिसने चतुर्थ बौद्ध संगीति कश्मीर में आयोजित की– **कनिष्क**	**66th BPSC (Pre) 2020**
■ चौथी बौद्ध संगीति बुलाई गई थी– **कनिष्क के द्वारा**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी– **राजगृह (राजगीर) में**	**64th BPSC (Pre) 2018-19 44th BPSC (Pre) 2000-01**
■ प्रथम बौद्ध परिषद् को बुलाया गया था– **अजातशत्रु द्वारा**	**29th Bihar (J) GS -2017**
■ चतुर्थ बौद्ध संगीति (काउंसिल) का आयोजन हुआ था– **कनिष्क के शासनकाल में**	**Bihar APO GS -2013**
■ महात्मा बुद्ध ने 'महापरिनिर्वाण' प्राप्त किया– **कुशीनगर में**	**BPSC AE-2006 (Paper III) BPSC LDC (Pre) 2021 28th Bihar (J) GS -2014 53rd – 55th BPSC (Pre) 2011 47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ ..... भारतीय दर्शन ने परमाणु सिद्धांत का प्रतिपादन किया– **वैशेषिक**	**66th BPSC (Pre) 2020**
■ त्रिरत्न या तीन रत्न, जैसे सटीक ज्ञान, सच्ची आस्था और सटीक क्रिया, सम्बन्धित है– **जैन धर्म से**	**66th BPSC (Pre) 2020**
■ पाटलिपुत्र में बुलाई गई प्रथम जैन संगीति के अध्यक्ष थे– **स्थूलभद्र**	**65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**
■ महात्मा बुद्ध की माता का नाम था– **महामाया**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था– **लुम्बिनी में**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ भरहुत एवं अमरावती सुप्रसिद्ध केंद्र थे– **बौद्ध धर्म के**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**
■ वे शिक्षक, जिनसे बुद्ध ने महाभिनिष्क्रमण (गृहत्याग) के बाद सबसे पहले ज्ञान-प्राप्ति का प्रयास किया है– **आलार-कलाम एवं रूद्रक रामपुत्त**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ बौद्ध संघ की प्रथम महिला अनुयायी सदस्या थी– **प्रजापति गौतमी**	**Bihar APO GS -2012**
■ बुद्ध की ईश्वर की अवधारणा के विषय में सत्य कथन है– **ईश्वर का अस्तित्व नहीं है**	**Bihar APO GS -2011**
■ जैन धर्म के प्रवर्तक महावीर जी का मोक्ष-स्थान स्थित है– **पावापुरी में**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18 45th BPSC (Pre) 2002 Bihar APO GS -2009**
■ वह स्थान जहाँ महावीर ने पूर्ण आध्यात्मिक ज्ञान (कैवल्य ज्ञान) प्राप्त किया है– **जृम्भिकग्राम**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ महावीर का जन्म स्थान था– **कुंडग्राम**	**30th Bihar (J) GS -2018 53rd – 55th BPSC (Pre) 2011 47th BPSC (Pre) 2004-05 42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ त्रिपिटक धार्मिक पुस्तक है– **बौद्ध धर्म की**	**31st Bihar J (Pre) 2020 63rd BPSC (Pre) 2017-18**

■ 'त्रिपिटक' लिखी गयी है–	**पालि भाषा में**	**Bihar APO GS -2009**
■ भागवत् सम्प्रदाय के विकास में अत्यधिक योगदान था–	**गुप्त का**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ आजीवक सम्प्रदाय के संस्थापक थे–	**मक्खलि गोशाल**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ बराबर की गुफाओं का उपयोग आश्रमगृह के रूप में किया–	**आजीवकों ने**	**40th BPSC (Pre) 1995**
■ सबसे पूर्वकालिक जैन ग्रन्थ कहलाता है–	**चौदह पूर्व**	**40th BPSC (Pre) 1995**
■ जैन कल्पसूत्र को लिखा–	**भद्रबाहु ने**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ प्रथम तीर्थंकर थे–	**ऋषभदेव**	**Bihar APO GS -2013**
■ वह बात जो बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म में समान नहीं है–	**आत्म दमन**	**44th BPSC (Pre) 2000-01**

5. सोलह महाजनपद

■ कोशल एवं मगध के मध्य संघर्ष का प्रारम्भ हुआ–	**अजातशत्रु के समय**	**BPSC LDC (Mains)-2022**
■ मगध शासक बिम्बिसार का चिकित्सक था–	**जीवक**	**67th BPSC (Pre)2022**
■ पाटलिपुत्र ..... राजवंश की राजधानी थी–	**मगध**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ छठी शताब्दी ई. पू. में बिम्बिसार ..... पर राज्य करता था–	**मगध**	**Bihar APO GS -2013**
■ वह शासक जिसने सुन्दर नगर पाटलिपुत्र की स्थापना की–	**उदयिन**	**BPSC AAO 2021** **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019** **46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ अवन्ति राज्य की राजधानी थी–	**उज्जैन**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ अवन्ति का राजा था–	**चंद प्रद्योत**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**
■ छठीं शताब्दी ई.पू. में एक गणतंत्र था–	**मल्ल**	**Bihar APO GS -2011** **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08** **44th BPSC (Pre) 2000-01**
■ मगध की प्रारम्भिक राजधानी थी–	**राजगृह (गिरिव्रज)**	**53rd–55th BPSC (Pre) 2011** **47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ अजातशत्रु के वंश का नाम था–	**हर्यंक**	**53rd – 55th BPSC (Pre) 2011** **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ विश्व का पहला गणतंत्र वैशाली में स्थापित किया गया–	**लिच्छवी के द्वारा**	**48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**
■ ईसा पूर्व छठीं सदी में विश्व की प्रथम गणतंत्रात्मक व्यवस्था थी–	**वैशाली में**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ सोलह महाजनपदों की सूची उपलब्ध है–	**अंगुत्तर निकाय में**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ प्रथम मगध साम्राज्य का उत्कर्ष ..... शताब्दी में हुआ था–	**ई.पू. छठवीं शताब्दी**	**42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ 'अंग' जनपद की राजधानी थी–	**चम्पा**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ वत्स का राज्य स्थित था–	**इलाहाबाद के आसपास**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**
■ प्राचीन भारत में 'द्वितीय नगरीकरण' से संबंधित क्षेत्र था–	**गांगेय मैदान**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

6. मौर्य एवं मौर्योत्तर काल

■ मौर्य साम्राज्य द्वारा महल बनवाया गया था	**- कुम्हरार में**	**Bihar Agriculture-2023**
■ 'शक सम्वत्' का प्रारम्भ हुआ–	**78 ई. में**	**31th BPSC (J)-2022**
■ दूसरी शताब्दी के आस-पास रचित संस्कृत के शिलालेख के अनुसार, सुदर्शन झील, एक कृत्रिम जलाशय, की मरम्मत की थी–	**रुद्रदामन ने**	**68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)**

■ मौर्य साम्राज्य का अंतिम शासक था– **बृहद्रथ**	**BPSC LDC (Mains)-2022**
■ मेगस्थनीज को राजदूत के रूप में .....के दरबार में भेजा गया था– **चन्द्रगुप्त मौर्य**	**31th BPSC (J)-2022**
■ वह पुस्तक जो बिन्दुसार को एक अभिषिक्त क्षत्रिय वर्णित करती है– **दिव्यावदान**	**BPSC Auditor (Pre) 2021**
■ मौर्यकाल में 'कंटकशोधन' न्यायालय ..... प्रकार का न्याय करता था– **फौजदारी**	**BPSC DACO 2021**
■ 'समाहर्ता' था– **महासंग्रहकर्ता**	**BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016**
■ मौर्यकाल में शासकीय भूमि से प्राप्त आय को कहा जाता था– **सीता**	**Bihar APO GS -2012**
■ मौर्यकाल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केन्द्र था– **तक्षशिला**	**47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ कौटिल्य का अर्थशास्त्र विभाजित है– **15 अधिकरणों में**	**48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**
■ वह शिलालेख जिसमें अशोक ने 'त्रिरत्न' में अपना विश्वास प्रकट किया है– **भाबू**	**BPSC AAO 2021**
■ वह स्तम्भ जिसमें अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है– **भाबू स्तम्भ**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ अशोक के शिलालेखों (Inscriptions) में प्रयुक्त भाषा है– **प्राकृत**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ अशोक के ब्राह्मी अभिलेखों को सर्वप्रथम पढ़ा था– **प्रिन्सेप ने**	**48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**
■ अपने शिलालेखों में अशोक सामान्यतः ..... नाम से जाने जाते हैं– **प्रियदर्शी**	**65th BPSC (Pre) 2019**
■ अशोक का वह अभिलेख जिसमें अकाल (दुर्भिक्ष) का उल्लेख है– **सोहगौरा**	**BPSC DACO 2021**
■ भारत में पहले साम्राज्य की स्थापना ..... शासक के द्वारा की गई थी– **चन्द्रगुप्त मौर्य**	**66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020**
■ चन्द्रगुप्त मौर्य था– **एक प्रबुद्ध निरंकुश शासक**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ प्रसिद्ध ग्रंथ 'मुद्राराक्षस' के लेखक थे– **विशाखदत्त**	**29th Bihar (J) GS -2017**
■ वह अभिलेख जिससे यह साबित होता है कि चन्द्रगुप्त का प्रभाव पश्चिमी भारत तक फैला हुआ था– **रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ वह शासक जिसने पाटलिपुत्र को सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाई– **चन्द्रगुप्त मौर्य**	**42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ वह मौर्य राजा जिसने दक्कन की विजय की थी– **चन्द्रगुप्त**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ जिसके ग्रन्थ में चन्द्रगुप्त मौर्य का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है, वह है– **विशाखदत्त**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ कौटिल्य अथवा चाणक्य ..... सम्राट का प्रधानमंत्री था– **चन्द्रगुप्त मौर्य**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ 'अर्थशास्त्र' नामक पुस्तक का लेखक था– **कौटिल्य**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में ..... के पहलू पर प्रकाश डाला गया है– **राजनीतिक नीतियों**	**45th BPSC (Pre) 2002**
■ नन्द वंश के पश्चात् मगध पर शासन किया– **मौर्य राजवंश ने**	**47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ सैण्ड्रोकोटस से चन्द्रगुप्त मौर्य की पहचान की– **विलियम जोन्स ने**	**48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**
■ कौटिल्य की पुस्तक अर्थशास्त्र आधारित है– **शासनकला के सिद्धांत और अभ्यास विषय पर**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18**
■ चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को बख्शीश के रूप में दिया था– **500 युद्धक हाथी**	**65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**
■ मेगस्थनीज दूत था– **सेल्यूकस का**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18**
■ वह स्रोत जिसमें पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन उपलब्ध है, वह है– **इण्डिका**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ मौर्य समाज का सात वर्गों में विभाजन का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है– **मेगस्थनीज की पुस्तक इंडिका में**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18** **46th BPSC (Pre) 2003-04**

■ 'इण्डिका' का लेखक था– **मेगस्थनीज**	**56th–59th BPSC (Pre) 2015** **47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ सम्राट अशोक, चन्द्रगुप्त का था– **पौत्र**	**Bihar APO GS -2009**
■ मौर्य शासक अशोक की रानी थी– **कारूवाकी**	**Bihar APO GS -2013**
■ बौद्ध एक वैश्विक धर्म बना– **अशोक के प्रयास से**	**25th Bihar (J) GS -2012**
■ वह क्षेत्र जो अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था– **श्रीलंका**	**42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ अशोक के शासनकाल में बौद्ध-सभा ..... नगर में आयोजित की गयी थी– **पाटलिपुत्र**	**45th BPSC (Pre) 2002**
■ अशोक ने ..... राज्य पर आक्रमण किया था– **कलिंग**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ अन्तिम मौर्य सम्राट था– **वृहद्रथ**	**48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08** **Bihar APO GS -2013** **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ अर्थशास्त्र के अनुसार 'सीता' भूमि का अभिप्राय है– **जनजातियों द्वारा जोती जाने वाली भूमि**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ मौर्यवंश के पश्चात् ..... वंश का राज स्थापित हुआ– **शुंग वंश**	**44th BPSC (Pre) 2000-01**
■ गौतमीपुत्र शातकर्णि का सम्बन्ध था– **सातवाहन राजवंश से**	**Bihar APO GS -2013**
■ शुंग वंश के बाद ..... वंश ने भारत पर राज किया– **कण्व**	**45th BPSC (Pre) 2002**
■ राजा खारवेल का नाम जुड़ा (Figures) है– **हाथी गुम्फा लेख के साथ**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ कलिंग नरेश खारवेल की हाथीगुम्फा प्रशस्ति अंकित है– **प्राकृत भाषा में**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ शक सम्वत् प्रारम्भ हुआ– **78 ई. में**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ शक संवत् की स्थापना का श्रेय दिया जाता है– **कुषाणों को**	**Bihar APO GS -2011**
■ वह राजा जिसके युग में गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान प्राप्त हुआ– **कनिष्क**	**45th BPSC (Pre) 2002**
■ सर्वप्रथम व्यापक पैमाने पर स्वर्णमुद्रा का प्रचलन किया– **विम कड्फिसेस ने**	**64th BPSC (Pre) 2018-19**
■ कला की गांधार शैली फली-फूली– **कुषाणों के समय**	**38th BPSC (Pre) 1992-93**
■ कनिष्क के शासनकाल में बौद्धसभा ..... नगर में आयोजित की गई थी– **कश्मीर**	**47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ साँची का विशाल स्तूप निर्धारित करता है– **मौर्यों के समय को**	**BPSC Motor Vehicle Insp. 2022** **27th Bihar (J) GS -2013**
■ वह पुरातात्विक स्थल जो मौर्य राजप्रासाद से सम्बद्ध है– **कुम्हरार**	**29th Bihar (J) GS -2017**
■ मौर्य साम्राज्य से सम्बन्धित एक ताबें की प्लेट है– **ताम्रपत्र**	**25th Bihar (J) GS -2012**
■ बराबर की गुफाओं को अशोक ने ..... सम्प्रदाय को दान में दिया था– **आजीवक**	**Bihar APO GS -2011**
■ पाटलिपुत्र में स्थित चन्द्रगुप्त महल मुख्यतः बना था– **लकड़ी का**	**41st BPSC (Pre) 1996**
■ भूमि अनुदान ..... को दिए गए थे, जो 'शाही दरबार' से जुड़े हुए थे– **ब्राह्मण**	**BPSC Auditor (Pre) 2021**
■ भारत में सोने के सिक्के जारी किये गए थे– **भारतीय-यूनानियों शासकों द्वारा**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ उस स्रोत का नाम बतलाएं जो प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों पर मौन है– **मिलिन्दपण्हो**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ शक वंश की कार्दमक शाखा का संस्थापक था– **चष्टन**	**Bihar APO (Pre) 2020**

7. संगम काल

■ संगम युग में उरैयूर विख्यात था– **कपास के व्यापार का महत्त्वपूर्ण केन्द्र के लिए**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ संगम काल में तमिल में 'महाभारत' लिखी– **विल्लिपुतुर ने**	**28th Bihar (J) GS -2014**

8. गुप्तकाल एवं गुप्तोत्तर काल

■ ऐरण अभिलेख का संबंध शासक से है **- भानु गुप्त से**	**Bihar Agriculture-2023**
■ हरिषेण गुप्त शासक का दरबारी कवि था **- समुद्रगुप्त का**	**Bihar Agriculture-2023**
■ वह प्रसिद्ध शासक जिसने अपनी माता के नाम पर विजयनगर के पास नागलपुरम की एक उपनगरीय बस्ती की स्थापना की थी– **कृष्णदेवराय**	**68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)**
■ 'पंचतंत्र' लिखा गया है– **विष्णु शर्मा द्वारा**	**31th BPSC (J)-2022**
■ झाँसी के पास देवगढ़ का मंदिर और इलाहाबाद के पास गढ़वा मंदिर में बनी मूर्तियाँ ..... के महत्वपूर्ण अवशेष हैं– **गुप्त कला**	**68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)**
■ वह गुप्त शासक जिसने सर्वप्रथम 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारणा की– **चन्द्रगुप्त प्रथम**	**BPSC DACO 2021**
■ नालन्दा ताम्रलेख में ..... गुप्त शासक को 'परम भागवत' कहा गया है– **समुद्रगुप्त**	**BPSC AAO 2021**
■ 'प्राचीन भारत का नेपोलियन' कहा जाता है– **समुद्रगुप्त को**	**BPSC Assistant 28.04.2023 56th–59th BPSC (Pre) 2015 BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016**
■ इलाहाबाद स्तम्भ अभिलेख की 21वीं पंक्ति में आर्यावर्त के ..... शासकों का जिक्र किया गया है– **9**	**BPSC Auditor (Pre) 2021**
■ प्रसिद्ध 'इलाहाबाद प्रशस्ति' का लेखक था– **हरिषेण**	**BPSC CDPO 2021**
■ समुद्रगुप्त के विजयों का उल्लेख मिलता है– **इलाहाबाद अभिलेख में**	**28th Bihar (J) GS -2014**
■ प्राचीन भारत में सबसे अधिक समय तक शासन किया– **गुप्त वंश ने**	**31st Bihar J (Pre) 2020 31st BPSC (J) 2022**
■ नगरों का क्रमिक पतन ..... काल की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता थी– **गुप्तकाल**	**40th BPSC (Pre) 1995**
■ वह शासक वंश जिसने मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिया था– **गुप्तवंश**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ गुप्त युग में भूमि राजस्व की दर थी– **उपज का छठां भाग**	**42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ गुप्त और उत्तरोत्तर गुप्त काल में अर्थव्यवस्था में पतन दिखता था, यह तर्क दिया है– **आर. एस. शर्मा ने**	**BPSC Auditor (Pre) 2021**
■ गुप्त स्वर्ण मुद्राएँ उनके अभिलेखों में ..... नाम से अंकित हैं– **दीनार**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ गुप्तकाल का मन्दिर है– **देवगढ़ का दशावतार मन्दिर**	**Bihar APO GS -2011**
■ वह बन्दरगाह जो गुप्त काल में उत्तर भारतीय व्यापार के लिए उपयोग किया जाता था– **ताम्रलिप्ति**	**65th BPSC (Pre) 2019**
■ पहली बार यह व्याख्या की थी कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण प्रतिदिन सूर्योदय एवं सूर्यास्त होता है– **आर्यभट्ट ने**	**64th BPSC (Pre) 2018-19**
■ वह भूमि जिसको 'अप्रहत' कहा जाता था– **बिना जोती हुई जंगली भूमि**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ प्रसिद्ध चीनी यात्री फाह्यान ने भारत की यात्रा की– **चंद्रगुप्त II के शासनकाल में**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18 27th Bihar (J) GS -2013**
■ चन्द्रगुप्त द्वितीय ..... साम्राज्य के शासक थे– **गुप्त**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ मेहरौली लौह स्तम्भ अभिलेख का 'चन्द्र' सम्बन्धित है– **चन्द्रगुप्त द्वितीय से**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ गुप्त शासकों में से 'विक्रमादित्य' उपाधि धारण की– **चन्द्रगुप्त-II ने**	**Bihar APO GS -2011**

■ वह गुप्त शासक जिसने शकों को पराजित किया और इस कारण 'शकारि' कहलाया– **चन्द्रगुप्त-II**	**Bihar APO GS -2013**
■ तीन प्रसिद्ध बन्दरगाहों सोपारा, काम्बे और भड़ौच को गुप्त साम्राज्य में मिलाया गया– **चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य द्वारा**	**BPSC Head Master 2022**
■ वह गुप्त शासक जिसने अपने बड़े भाई की हत्या कर सत्ता प्राप्त की– **चन्द्रगुप्त द्वितीय**	**67th BPSC (Pre)2022**
■ गुप्त सम्राट, जिसने 'हूणों' को पराजित किया, थे– **स्कन्दगुप्त**	**53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**
■ 'मुद्राराक्षस' नामक पुस्तक का लेखक था– **विशाखदत्त**	**47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ 'देवीचन्द्रगुप्तम्' नाटक के रचनाकार हैं– **विशाखदत्त**	**Bihar APO GS -2012**
■ बारह प्रकार की भूमि का वर्णन किया गया है– **'अमरकोश' में**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रन्थ अष्टांग हृदय के रचनाकार हैं– **वाग्भट्ट**	**BPSC AAO 2021**
■ वह कवि जिसने 'कुमारसम्भव' महाकाव्य लिखा– **कालिदास**	**27th Bihar (J) GS -2013** **45th BPSC (Pre) 2002**
■ ताम्रपत्र लेख दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में बिहार के राजाओं का संपर्क था– **जावा-सुमात्रा से**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ कर्नाट वंश का संस्थापक था– **नान्यदेव**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ कर्नाट वंश का अन्तिम शासक था– **हरिसिंह**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ नालन्दा विश्वविद्यालय के स्थापना का युग है– **गुप्त**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ नालन्दा विश्वविद्यालय के संस्थापक थे– **कुमारगुप्त**	**56th–59th BPSC (Pre) 2015**
■ नालन्दा विश्वविद्यालय के विनाश का कारण था– **मुस्लिम आक्रमण**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ नालन्दा विश्वविद्यालय विश्व प्रसिद्ध था– **बौद्ध धर्म दर्शन के लिए**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005** **42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ चीनी यात्री ह्वेनसांग ने ..... विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था– **नालन्दा**	**46th BPSC (Pre) 2003-04**
■ थानेश्वर राजधानी थी– **वर्धनों की**	**Bihar APO GS -2013**
■ `हर्षचरित' नामक पुस्तक लिखी– **बाणभट्ट ने**	**47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ हर्षवर्धन के शासनकाल में ..... चीनी यात्री ने भारत की यात्रा की थी– **ह्वेनसांग**	**56th–59th BPSC (Pre) 2015** **Bihar APO GS -2013** **Bihar APO GS -2011**
■ वर्धन राजवंश की स्थापना की– **पुष्यभूति ने**	**67th BPSC (Pre)2022**
■ चीनी यात्री युवान चुवांग (ह्वेनसांग) भारत पहुँचा था– **629 ई. में**	**Bihar APO GS -2012**
■ सही सुमेलन है– **सूची-I** **सूची-II** (A) चन्द्रगुप्त- I (i) कुमारदेवी (B) समुद्रगुप्त (ii) प्रयाग शिलालेख (C) चन्द्रगुप्त- II (iii) विक्रमादित्य (D) कुमारगुप्त- I (iv) महेन्द्रादित्य	**Bihar APO GS -2012**
■ कल्हण की पुस्तक का नाम है– **राजतरंगिणी**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ पूर्व-गुप्तकाल में सीसे के सिक्कों की एक बड़ी संख्या जारी की गई– **सातवाहनों द्वारा**	**BPSC CDPO 2021**
■ 'किरातार्जुनीय' पुस्तक लिखा था– **भारवि ने**	**67th BPSC(Pre) Nirast 2021**

9. 800 ई. से 1200 ई. तक की राजनैतिक-सामाजिक स्थिति

■ विक्रमशिला विश्वविद्यालय स्थापित किया गया था– **धर्मपाल द्वारा**	**31th BPSC (J)-2022 68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)**
■ तन्जौर स्थित राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया– **राजराज प्रथम (985 ई.-1014 ई.) ने**	**BPSC LDC (Mains)-2022**
■ खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण करवाया था– **चन्देलों ने**	**BPSC Motor Vehicle Insp. 2022 43rd BPSC (Pre) 1999**
■ गुर्जर-प्रतिहार वंश का प्रसिद्ध शासक था– **वत्सराज**	**BPSC DACO 2021**
■ सन्ध्याकार नन्दी के प्रसिद्ध ग्रन्थ 'रामचरित' की विषयवस्तु का सम्बन्ध है– **पालवंशी रामपाल से**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ 'ओदन्तपुर' शिक्षा केन्द्र अवस्थित था– **बिहार राज्य में**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ विक्रमशिला शिक्षा केंद्र के संस्थापक का नाम है– **धर्मपाल**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ चोल वंश का संस्थापक था– **विजयालय**	**67th BPSC(Pre) Nirast 2021**
■ दक्षिण भारत के मंदिरों के आकर्षक द्वार कहलाते हैं– **गोपुरम्**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18**
■ बारहवीं सदी में राष्ट्रकूट वंश (Dynasty) के पाँच शिलालेख मिले हैं– **कर्नाटक राज्य में**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ दक्षिण भारत के साहूकारों का नाम था– **चेट्टी**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ परमार वंश को स्थापित किया– **उपेन्द्र ने**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ मलाया, सुमात्रा तथा जावा की विजय का श्रेय जाता है– **राजेन्द्र चोल-I को**	**Bihar APO GS -2011**
■ सिन्धु पर सफल आक्रमण करने वाला प्रथम अरब था– **मुहम्मद-बिन-कासिम**	**Bihar APO GS -2013**
■ 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं– **चंदबरदाई**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ सुवर्णभूमि का वह राजा जिसने नालन्दा में एक बौद्ध बिहार की स्थापना की तथा उसके रख-रखाव हेतु अपने दूत द्वारा देवपाल से पाँच गाँव दान में देने के लिए प्रार्थना की– **बालपुत्रदेव**	**64th BPSC (Pre) 2018-19**
■ कल्हण की पुस्तक का नाम है– **राजतरंगिणी**	**53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**
■ महमूद गजनवी ने अपना अंतिम सैन्य अभियान भारत पर किया– **1027 ई. में**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005 BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016**
■ ऐहोल में 'दुर्गा मंदिर' का निर्माण हुआ था– **चालुक्य काल में**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

10. विविध

■ प्रथम तराइन युद्ध में पृथ्वीराज चौहान ने पराजित किया– **मोहम्मद गोरी को**	**BPSC LDC (Mains)-2022**
■ अजन्ता की गुफाएँ हैं– **महाराष्ट्र राज्य में**	**31th BPSC (J)-2022**
■ 'बद्रीनाथ धाम' ..... राज्य में है– **उत्तराखंड**	**31th BPSC (J)-2022**
■ बोरोबुदूर विश्व में सबसे अद्भुत स्तूप है और इसकी मूर्ति और मूर्तिकला शानदार उदाहरण है– **भारत-जावा कला का**	**BPSC CDPO 2021**
■ 'राग विबोध' ग्रन्थ के लेखक का नाम है– **सोमनाथ**	**Bihar APO (Pre) 2020**

■ 'प्राकृत प्रकाश' ग्रन्थ लिखा– **वररुचि ने**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ पूर्व मध्यकालीन भारतीय साम्राज्य व्यापक स्तर पर स्थानीय स्वशासन के लिए प्रसिद्ध था– **चोल**	**66th BPSC (Pre) 2020**
■ अभिज्ञान शाकुन्तलम् का लेखक है– **कालिदास**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ प्रतिनूतन काल-समाप्ति की तिथि है– **10000 वर्ष पूर्व**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ द्वितीय नगरीकरण में ..... धातु का प्रमुख योगदान था– **लोहा**	**30th Bihar (J) GS -2018** **28th Bihar (J) GS -2014**
■ भारत के प्राचीनतम सिक्के हैं– **आहत सिक्के**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ प्राचीन भारत की वह लिपि जो दाहिने से बाईं ओर लिखी जाती थी– **खरोष्ठी**	**65th BPSC (Pre) 2019**
■ प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिष्य ..... शब्द से शिक्षा आरम्भ करते थे– **ॐ**	**Bihar APO GS -2012**
■ विश्व का सबसे ऊँचा कहा जाने वाला 'विश्व शांति स्तूप' बिहार में है– **राजगीर में**	**48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**
■ 'नव नालन्दा महाविहार' विख्यात है– **पाली अनुसंधान संस्थान के लिए**	**48th–52nd BPSC (Pre) 2007-08**
■ बौद्ध, हिन्दू एवं जैन शैल-कृत गुफाएँ एक साथ विद्यमान हैं– **एलोरा में**	**Bihar APO GS -2012**
■ शैल चित्रों में अलंकृत 'बाघ गुफाएँ' ..... पर्वत श्रेणी में पायी जाती है– **विन्ध्याचल**	**Bihar APO GS -2012**
■ शाक्यवंशियों द्वारा बनाया गया बौद्ध स्तूप स्थित है– **पिपरहवा में**	**Bihar APO GS -2012**
■ चीनी यात्री 'सुंगयुन' ने भारत यात्रा की थी– **515 ई. से 520 ई. के मध्य**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ 'स्वप्नवासवदत्ता' के लेखक (Author) हैं– **भास**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ धर्मशास्त्रों में भू-राजस्व की दर है– $\frac{1}{6}$	**40th BPSC (Pre) 1995**
■ 800 से 600 ईसा पूर्व का काल ..... युग से जुड़ा है– **ब्राह्मण युग**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ पाणिनी-कृत 'अष्टाध्यायी' सम्बन्धित है– **व्याकरण से**	**Bihar APO GS -2013**
■ 'मृच्छकटिकम' का लेखक है– **शूद्रक**	**Bihar APO GS -2013**
■ अजन्ता की चित्रकला से ..... चित्रों का वर्णन मिलता है– **जातक**	**25th Bihar (J) GS -2012**
■ 'सूर्यसिद्धान्त' के लेखक थे– **आर्यभट्ट**	**Bihar APO GS -2012**
■ 'अप्रतिरथ' ..... हिन्दू देवता का और एक नाम है– **विष्णु**	**Bihar APO GS -2012**
■ 'राजनीति रत्नाकर' के लेखक हैं– **चन्देश्वर**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ 'उदवन्त प्रकाश' के लेखक हैं– **मौली कवि**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ हूण राजा तोरमाण ..... औलिकार राजा द्वारा पराजित किया गया था– **प्रकाशधर्मन**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**
■ तंजावुर में बृहदीश्वर मंदिर का निर्माण करवाया गया था– **राजचोल I द्वारा**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**
■ वह अभिलेख जिसमें विधवा-दहन का उदाहरण उल्लिखित है– **भानुगुप्त का एरण स्तम्भ अभिलेख**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**
■ महावंश के अनुसार, बिम्बिसार सिंहासन पर बैठा था– **15 वर्ष की आयु में**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**
■ बराबर पर्वत-श्रृंखला स्थिर गोरथगिरि विजित की गई– **खारवेल के द्वारा**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**
■ मोरक्को के यात्री इब्न बतूता का वृत्तांत ..... रूप में जाना जाता है– **रेहला**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

A. मध्यकालीन इतिहास (Ancient History)

1. दिल्ली सल्तनत

■ दिल्ली सल्तनत का वह सुल्तान जिसको 'लाख बख्श' कहा जाता था– **कुतुबुद्दीन ऐबक**	**BPSC AAO 2021**
■ गुलाम वंश का प्रथम शासक था– **कुतुबुद्दीन ऐबक**	**53rd–55th BPSC (Pre) 2011** **47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी– **लाहौर**	**41st BPSC (Pre) 1996**
■ भारत में मोहम्मद गोरी ने प्रथम अक्ता प्रदान किया था– **कुतुबुद्दीन ऐबक को**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ दिल्ली सल्तनत के शासक जिसने कुतुबमीनार के पास 'हौज-ए-शम्सी' का निर्माण करवाया था– **इल्तुतमिश**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ इल्तुतमिश शासक था– **गुलाम वंश का**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**
■ इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था– **मलिक-जानी को**	**48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**
■ 'इक्तादारी' प्रथा प्रारम्भ की गई थी– **इल्तुतमिश द्वारा**	**29th Bihar (J) GS -2017**
■ दिल्ली में पहला मदरसा स्थापित किया– **इल्तुतमिश ने**	**31st Bihar J (Pre) 2020**
■ मुस्लिम शासक, जिसका साम्राज्य दार-उल-इस्लाम का एक भाग माना जाता था– **इल्तुतमिश**	**67th BPSC (Pre)2022**
■ कुतुब मीनार पूरा किया गया था– **इल्तुतमिश के द्वारा**	**67th BPSC(Pre) Nirast 2021** **Bihar APO GS -2011**
■ विग्रहराज IV द्वारा निर्मित विद्यालय के स्थान पर निर्मित मस्जिद है- **'अढ़ाई दिन का झोपड़ा'**	**65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**
■ 'ढाई दिन का झोपड़ा' है– **मस्जिद**	**56th–59th BPSC (Pre) 2015**
■ सल्तनतकाल के सिक्के, टंका, शशगनी एवं जीतल ..... धातुओं के बने थे– **चांदी, तांबा**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ अपने सद्गुणों के बावजूद रजिया सफल नहीं हुई क्योंकि– **उच्च-वर्ग को स्त्री-शासन नापसन्द था**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ अमीर-ए-शिकार की पदवी पर बलबन को नियुक्त किया– **रजिया सुल्तान ने**	**BPSC Auditor (Pre) 2021**
■ रजिया सुल्तान पुत्री थी– **इल्तुतमिश की**	**Bihar APO GS -2013**
■ वह प्रथम मुस्लिम शासक जिसने शासन के सिद्धांत (theory of kingship) को राजाओं के ईश्वरीय अधिकार सिद्धांत (theory of divine right) के समान प्रतिपादित किया था– **बलबन**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18**
■ वह दिल्ली सुल्तान जिसने 'रक्त एवं लौह' की नीति अपनायी– **बलबन**	**66th BPSC (Pre) 2020**
■ 'राजत्व के उसके सिद्धान्त प्रतिष्ठा, शक्ति और न्याय के सिद्धान्तों पर आधारित थे।' बलबन के बारे में ये शब्द कहे थे– **जिया-उद-दीन बरनी ने**	**BPSC CDPO 2021**
■ दिल्ली के ..... सुल्तान ने 'सिजदा' की परम्परा को प्रारम्भ किया– **बलबन**	**BPSC Auditor (Pre) 2021**
■ 'चालीसा ग्रुप (Group of Forty)' की शक्तियों को तोड़ा– **बलबन ने**	**BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016**
■ तुगरिल खाँ ने .....के शासनकाल के दौरान विद्रोह किया था– **बलबन**	**67th BPSC (Pre)2022**

2. खिलजी वंश

■ बाजार नियंत्रण के लिए प्रसिद्ध सुल्तान है– **अलाउद्दीन खिलजी**	**31th BPSC (J)-2022** **31st Bihar J (Pre) 2020**
■ खिलजी वंश का प्रथम शासक था– **जलालुद्दीन खिलजी**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ 'दाग' और 'हुलिया' की प्रथा प्रारम्भ की गई थी– **अलाउद्दीन खिलजी द्वारा**	**29th Bihar (J) GS -2017** **BPSC DACO 2021**
■ वह सुल्तान जिसने 'अलाई दरवाजा' का निर्माण करवाया– **अलाउद्दीन खिलजी**	**42nd BPSC (Pre) 1997-98**
■ सल्तनत काल में 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' प्रारम्भ की थी– **अलाउद्दीन खिलजी ने**	**66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020**
■ स्थापत्यकला में गुम्बद को आधार प्रदान करने के लिए सबसे पहले भित्ति मेहराब प्रणाली का प्रयोग किया गया– **अलाई दरवाजा में**	**28th Bihar (J) GS -2014**
■ वह सुल्तान जिसने जमीन में फसल की नपाई का आधा राजस्व के रूप में दावा किया– **अलाउद्दीन खिलजी**	**64th BPSC (Pre) 2018-19**
■ पद्मिनी घटना जुड़ी है– **अलाउद्दीन खिलजी से**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण (Invasion) के समय चित्तौड़ का शासक था– **राणा रतन सिंह**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
■ 'बारहमासा' की रचना की थी– **मलिक मोहम्मद जायसी ने**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ रानी पद्मिनी का नाम अलाउद्दीन के चित्तौड़ विजय से जोड़ा जाता है। उनके पति का नाम है– **राणा रतन सिंह**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ अलाउद्दीन खिलजी के प्रसिद्ध सेनापतियों में जिसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई– **जफर खां**	**41st BPSC (Pre) 1996**
■ अला-उद्-दीन खिलजी द्वारा द्वारसमुद्र की विजय के लिए नियुक्त किया गया था– **मलिक काफूर को**	**Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**
■ अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक था– **रामचन्द्र देव**	**47th BPSC (Pre) 2004-05** **53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**
■ खुत और मुकद्दमों को इस हद तक पदावनत कर दिया कि उनकी स्त्रियों को मुसलमानों के घरों में काम करना पड़ा– **अलाउद्दीन खलजी ने**	**BPSC Auditor (Pre) 2021**
■ खलीफा की शक्ति का विरोध किया– **अलाउद्दीन खलजी ने**	**67th BPSC (Pre)2022**
■ वह सुल्तान जिसके काल में खालसा भूमि अधिक पैमाने पर विकसित हुई– **अलाउद्दीन खिलजी**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ 'अलाउद्दीन दिल्ली का प्रथम तुर्की सुल्तान था जिसे धर्म को राज्य के अधीन लाने का और ऐसे घटकों से परिचय कराने का श्रेय जाता है, जो सैद्धान्तिक रूप में राज्य को धर्म-निरपेक्ष बनाते हैं।' ये शब्द लिखे– **ए. एल. श्रीवास्तव ने**	**BPSC CDPO 2021**

3. तुगलक वंश

■ मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से स्थानांतरित की थी– **दौलताबाद**	**BPSC Motor Vehicle Insp. 2022**
■ अपनी प्रजा में गम्भीरता से भेदभाव और अन्याय को समाप्त करने के प्रयास किए– **मुहम्मद बिन तुगलक ने**	**BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016**
■ वह शासक जिसके शासनकाल के विषय पर इब्नबतूता की रेहला प्रकाश डालती है– **मुहम्मद तुगलक**	**Bihar APO GS -2011**
■ जिस दिल्ली सुल्तान ने एक कृषि विकास के मंत्रालय की स्थापना की थी, वह था– **मुहम्मद तुगलक**	**28th Bihar (J) GS -2014**
■ जागीर बाँटने की फिरोजशाह तुगलक की नीति के पीछे ..... शक्ति थी– **परम्परागत विशिष्ट वर्ग को समर्पण**	**BPSC CDPO 2021**

■ वह सुल्तान जिसके दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे– **फिरोज तुगलक**	**45th BPSC (Pre) 2002**
■ फिरोज शाह तुगलक ने संस्कृत पाण्डुलिपि का ..... नाम से फारसी में अनुवाद करवाया– **दलाइल-ए-फिरोजशाही**	**BPSC DACO 2021**
■ वह शासक जिसने गुलामों हेतु विभाग स्थापित किया था– **फिरोज़शाह तुगलक**	**30th Bihar (J) GS -2018**
■ वह सुल्तान जिसने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किये– **फिरोज शाह तुगलक**	**44th BPSC (Pre) 2000-01**
■ फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-सफा' था– **एक खैराती अस्पताल (A free hospital)**	**53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**
■ वह सुल्तान जिसने बेरोजगारों को रोज़गार दिलवाया– **फिरोज तुगलक**	**45th BPSC (Pre) 2002**
■ वह सुल्तान जिसने सबसे ज्यादा नहरों का निर्माण किया था– **फिरोज शाह तुगलक**	**BPSC Assistant 28.04.2023** **65th BPSC (Pre) 2019**

4. सैय्यद वंश

■ 'तारीख-ए-मुबारकशाही' का लेखक याहिया सरहिन्दी ..... के शासनकाल में था– **सैय्यद**	**28th Bihar (J) GS -2014**
■ तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में ..... वंश का राज स्थापित हुआ– **सैय्यद वंश**	**45th BPSC (Pre) 2002**

5. लोदी वंश

■ लोदी वंश की स्थापना की– **बहलोल लोदी ने**	**BPSC LDC (Mains)-2022**
■ वह सुल्तान जिसने एक नगर बसाया जहाँ अब आगरा है– **सिकन्दर लोदी**	**44th BPSC (Pre) 2000-01**

6. विविध (सल्तनतकालीन)

■ दीवान-ए-इंशा का संबंध था **- शाही पत्र-व्यवहार से**	**Bihar Agriculture-2023**
■ दिल्ली सल्तनत के दौरान 'मुकद्दम या चौधरी' पद का इस्तेमाल किया जाता था– **गाँव के सरपंच के लिए**	**68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)**
■ तबक़ात-ए-अकबरी, जिसे कभी-कभी अबुल फ़ज़ल के अकबरनामा से अधिक विश्वसनीय माना जाता है, लिखा गया था– **निज़ामुद्दीन अहमद द्वारा**	**68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)**
■ दिल्ली में पहला मदरसा स्थापित किया– **इल्तुतमिश ने**	**31th BPSC (J)-2022**
■ गीत-गोविन्द का रचयिता था– **जयदेव**	**Bihar APO GS -2011**
■ तराईन के द्वितीय युद्ध में ..... भारतीय शासक पराजित हुआ था– **पृथ्वीराज चौहान**	**Bihar APO GS -2011**
■ गजनी के महमूद ने सोमनाथ मंदिर का विध्वंस किया– **1026 ई. में**	**Bihar APO GS -2009**

7. बहमनी राजवंश

■ बहमनी राज्य का संस्थापक था– **अलाउद्दीन हसन**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ दक्षिणी चित्रकला का विकास हुआ था– **बीजापुर-गोलकुंडा से**	**Bihar APO GS -2012**

8. विजयनगर साम्राज्य

■ विजयनगर राज्य की स्थापना हुई– **हरिहर एवं बुक्का द्वारा**	**BPSC Assistant 28.04.2023** **Bihar APO GS -2011**
■ फारसी यात्री 'अब्दुल रज्जाक' भारत में ..... राजा के शासनकाल में आया था– **देवराय II**	**60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**
■ विजयनगर का वह पहला शासक जिसने बहमनियों से गोवा को छीना– **हरिहर द्वितीय**	**40th BPSC (Pre) 1995**
■ विजयनगर साम्राज्य के कृष्णदेव राय समकालीन थे– **बाबर के**	**29th Bihar (J) GS -2017**

■ विजयनगर के जिस सम्राट ने तेलगू और संस्कृत साहित्य में सर्वाधिक योगदान दिया, वह था– **कृष्णदेव राय**	**28th Bihar (J) GS -2014**
■ विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध ..... राजा के साथ लड़ा था– **कुली कुतुबशाह**	**43rd BPSC (Pre) 1999**
■ विजयनगर साम्राज्य का अवशेष मिलता है– **हम्पी में**	**63rd BPSC (Pre) 2017-18 BPSC AE-2006 (Paper III)**
■ विजयनगर साम्राज्य की वित्तीय व्यवस्था की मुख्य विशेषता थी– **भू-राजस्व**	**39th BPSC (Pre) 1994**
■ तालीकोटा का युद्ध हुआ था– **सन् 1565 में**	**66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020**

9. 15वीं और 16वीं शताब्दियों के धार्मिक आंदोलन

■ निजामुद्दीन औलिया ..... सूफी सम्प्रदाय के अनुयायी थे– **चिश्ती**	**31th BPSC (J)-2022**
■ दसवें सिख गुरु का नाम था– **गुरु गोविन्द सिंह**	**31th BPSC (J)-2022**
■ भारत में सूफी के चिश्ती संप्रदाय की स्थापना की थी– **मोइनुद्दीन चिश्ती ने**	**65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**
■ सूफीवाद घनिष्ठतः सम्बन्धित है– **इस्लाम से**	**Bihar APO GS -2013**
■ वह प्रथम व्यक्ति जिसने 'वहदत-उल-वुजूद' सिद्धान्त को सूफी मत में प्रतिपादित किया– **इब्नुल अरबी**	**Bihar APO (Pre) 2020**
■ 'अनहलक' का अर्थ होता है– **मैं खुदा हूँ**	**Bihar APO GS -2012**
■ अपने अनुयायियों द्वारा 'महबूब-ए-इलाही' नाम से जाना जाता है– **शेख निजामुद्दीन औलिया**	**Bihar APO GS -2011**
■ निजामुद्दीन औलिया ..... सूफी सम्प्रदाय के अनुयायी थे– **चिश्ती**	**31st Bihar J (Pre) 2020**
■ शेख निजामुद्दीन औलिया थे एक– **सूफी सन्त**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ शेख बहाउद्दीन जकारिया ..... सम्प्रदाय के थे– **सुहरावर्दी सम्प्रदाय**	**64th BPSC (Pre) 2018-19**
■ मध्यकाल में बिहार शरीफ का नगर महत्वपूर्ण रहा– **1. विद्या केन्द्र के रूप में 2. धार्मिक केन्द्र के रूप में**	**40th BPSC (Pre) 1995**
■ बिहार के सुप्रसिद्ध सन्त सर्फूदीन मनेरी का सम्बन्ध सूफियों के ..... सम्प्रदाय से था– **फिरदौसी**	**40th BPSC (Pre) 1995 BPSC AAO 2021**
■ दक्षिण भारत के शैव सन्तों को कहा जाता था– **नयनार**	**Bihar APO GS -2012**
■ सभी भक्ति सन्तों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने– **अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा, जिसे उनके भक्त समझते थे**	**47th BPSC (Pre) 2004-05**
■ मत्स्येन्द्रनाथ द्वारा स्थापित सम्प्रदाय का नाम था– **योगिनी कौल**	**Bihar APO GS -2012**
■ निर्गुण स्कूल के बड़े समर्थक थे– **कबीर**	**27th Bihar (J) GS -2013**
■ भक्तिकालीन सन्तों में से कृष्ण के आराधक नहीं थे– **कबीर**	**Bihar APO GS -2013**
■ भक्तिकालीन संत चैतन्य का वास्तविक नाम था– **विश्वम्भर**	**31st Bihar J (Pre) 2020**
■ सिक्खों के दसवें गुरू, गुरू गोविन्द सिंह का जन्म हुआ था– **पटना में**	**BPSC LDC (Pre) 2021 BPSC AE(Mains)-2017 (Paper III)**
■ दसवें सिख गुरु का नाम था– **गुरु गोविन्द सिंह**	**31st Bihar J (Pre) 2020**
■ 'खालसा पंथ' का गठन किया– **गुरू गोविन्द सिंह**	**Bihar APO GS -2009**
■ 'वरकारी' समाज सुधार आन्दोलन आरम्भ हुआ था– **महाराष्ट्र से**	**Bihar APO GS -2012**

10. मुगल साम्राज्य (प्रशासन व वित्त व्यवस्था, संस्कृति एवं कला)

■ मुगल सम्राट आलमगीर के नाम से जाना जाता था– **औरंगजेब**	**BPSC LDC (Mains)-2022**
■ हुमायूँ को यह प्रस्ताव दिया था कि यदि उसे बंगाल पर अधिकार करके दिया गया तो वह बिहार को समर्पित कर देगा और 10 लाख दीनार की वार्षिक नज़राना अर्पित करेगा– **शेर ख़ान ने**	**68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)**